

नमो कर्णे ५२ ॥

ताकारुसावकुवचविधि ॥ कु ॥ पूर्वमानिरुड दहिनपूर्वूरुड पश्चिमजननु
वैश्रव ॥ २ गुफासगुफासवस्वमीदवीवन्दु कान्ताभारुपदाता ॥ कु ॥ इत
रुवाव विवा ॥ दाहाना माल ॥ वम्बा कर्णवम्बादनगिनयना २ स्वस्वस्वलास्व
वसिनुलनपिता ॥ कु ॥ ननागा २ ॥ घाघन ॥ ३ उवदा ॥ ४ पवशुधना २ ॥ ५ अम
लजकसूगुधवि ॥ कु ॥ अमृतिरुमृनिमादनि ॥ जाकर्षभी २ ॥ जादिमध्यांत
तशुरुकस्याचमिता ॥ कु ॥ स्वर्गमध्यापाताल निशुवच २ ॥ गनपतिपूजिवस

आशा सरस्वती
ASHA ARCHIVES

419

वृष्टिनेयागवन्तिकर्षूपादववचनचपुम्भद ॥ पुष्पाजालिम-दववनीनावः
 रूविनासयिथुन्यकन ॥ ५ ॥ २४ ॥ ॐ तिसिन्धुलावेनय
 जायांगीतसमाय ॥ ॐ ॥
 रेववीवाग ॥ रयताल ॥ गजाजिन उद्धराथधनिया ॥ कमलकुलिमजंगवावा २
 उमनकनतिकथालनिभूलवामखद्वंगकपावद ॥ ५ ॥ श्रीसम्भवाऊयवा
 कुनीरुम्भऊम्भानवद ॥ मानयिनवापियाविनमाया ॥ सायुरुअवतावनी ॥ ॐ ॥

गजाजिन २५॥

ॐ तिसिन्धुलावेनय

हा ॥ पागपवम्भमडाद्यादमहाथधनियाउनवमिनमालावद ॥ विश्वकुलिमजुद्धचंद
 ऊटाहटव्याधुवम्भषट्मडाआहा ॥ जालिरपुष्पाहेवववापयिनश्वन ॥ कालिनाम्ना
 दिनमडाआहा ॥ नीलहितनाहितकनकाम्भऊ ॥ वउमुखअहिलीषपावद ॥ ५
 हिंमवीनवानश्वननायक ॥ तिसिन्धुकमहावीनवीन ॥ कनसमंवागवीनवीनश्वनः
 युऊयिसयनसंसावद ॥ ५ ॥ २५ ॥ ॐ रेववीवाग ॥ नकनविताला
 ऊयऊयवाकुनीसयनसंसाहा ॥ अखयइश्वसंहाहननी ॥ नूनरुनयानहाथ

ऊयंऊय २६॥

२२

२ जय २ हाउ ऊरु न भ स सा ल । क व ति क पा न क व धा नी ॥

हा प व न ॥ ना व पि मा न नि व वा न व द ॥ डि न प द या नी व न हा प व न ॥ डि न ऊ नी व ऊ
या गि नी ॥ ऊ प ऊ य न दु स्म मा न नि ल खि ति ॥ गृ व न द न व गि न मा ला ॥ ऊ य ऊ
य ना ष डू ऊ ग न सं सा न ॥ पु ल मा मि ऊ द य वा ऊ नी ॥ ५ ॥ २० ॥ हे न वा
ना गा ॥ ३ ऊ मा न गा ला ॥ न मा मि २ डि न धा तु क न क क व तु न म न ति आ व कृ ता ॥ य व
ह्म न प क धा तु क नू पा व द ध र्म जा न य ध ना ॥ न मा मि २ गी मा नि प न ध न वि दि
सि दि व न दा य नी ॥ ३ वि न व ल स र्वे पा प रु य क व दान प न्ध न दू मा क पु द ता ॥
२ न ना दू २ ज ग न सं सा न उ ध वि या म ना द न न म सु २ य क डि न ध ना ॥ ५ ॥

ना गा ला मा ॥ न मा मि २ ध र्म धा तु वा गी ध न ॥ वा उ न र वा न य वि म ति ता ॥ वा उ
न ता न च र च र न का ना ॥ स र्व द व य वि म ति ता ॥ न मा मि २ वा गी ध न म धु ल य म
गि वि नि वा सि ता ॥ स ल वि मा हि त इ र्ने ति ना म न ॥ पु ल मा मि डि न व क ध ना ॥ न ना
दू ३ न ना ॥ ५ ॥ २० ॥ हे न वा ना गा ॥ २ य ॥ अ ष्ट रु गु पा न दि ग वि दि
ग रु व ल ॥ धं सि व मा न व तु न य न ॥ ग ग ल गि ष ल ग ग ल र न नू ध का ना ॥ ग ग ल
ऊ मा न य न वा डि या न ॥ दू दू न मा मि प क ॥ अ कि नी प क रु व कि ह्म न ऊ ॥

न मा मि २ २० ॥

अ ष्ट रु गु पा न २० ॥

पु२
 किनीसवनरुग्धरुग्धता ॥ पूर्वउरुवपश्चिमदक्षिणवतुचुव ॥ विष्णुमा
 लविखलुयाव ॥ वरुजकिनीघाववतावजकिनीवधुलजकिनीवतुवद
 वी ॥ सिधुनीवाधुनीऊम्वकउवकिनी ॥ खडांगयवगुजंकगरुस्त ॥ जकि
 नीधिकिनीवउसिकवांऊनीघालवम्यादवकागवदनी ॥ जिनऊननीदवीः
 जकिनीतुरुययिगवर ॥ एकमूडारुवभरुषनिया ॥ खजरुतकवऊय
 खडांगयाभा ॥ पुनमामिदवीथीहानश्वरी ॥ ५ ॥ २८ ॥ हय

वयागा ॥ मलमा ० ताल ॥ द्विउऊद्विमखलिनिनयना ॥ मकटकमदिगंवना ॥ ५ ॥
 कनाताकनाकाकनाता ॥ वामकवाठकदहिनकवति ॥ दाऊआरुवसविरुषिता ॥
 सूर्यमधुलमाच तांदवमवति ॥ नवमिवमालसुसाहिता ॥ सहुनववर ॥ निवग
 गधविषा ॥ वरुवानाहीजालिंगिता ॥ ५ ॥ २२ ॥ मालवनागा ॥ नि
 गंविनीवुंविहवकपमर ॥ सुकयुतिहकधुलवान्यमरुह ॥ संकतभलांपुविगनु
 दाष ॥ मालाधनामालवनागनाऊह ॥ मा ० ताल ॥ वडिघानीवतानीवधुलीनी

दिउऊ २५ ॥

वडिघानि ३० ॥

हिमल
 नगनागा
 नगनागा

सिंघिनी शशिनी उम्बक उचकिनी ॥ नमामि श्रीयागम्बनहानम्बनी ॥ त्रिनि
ननुदवात्रिभुवनपुविम ॥ पूर्वउरुनयन्त्रिमदक्षिभदिगदवी ॥ जकिनी द्विपि
नीवउसिकवाऊनी ॥ वरुनदिगत्रुम्बरुलननुदवी ॥ त्रिनिननुदवी नाचनु
दवी ॥ हविहवनवक्त्रुन्दुजस्रगन ॥ वादमयागिनी समनसंताव ॥ ॐ ॥
॥ ३० ॥ मालववाग ॥ पूर्वदिगल्लिहंसासनीदवी ॥ वन्दुवदनीदवी धावि
त्रिगुला ॥ नमामि श्रीरैववमारुकागभयत्रिकुमावा ॥ ॐ ॥ अहरेववज

अष्टमाङ्गी २६ ॥

श्रयामि श्रीजालिंगना ॥ ॐ ॥ नाकावदनी स्वहितमयूनासनीदवी ॥ विनुपा
नुधनीवेषूदवी ॥ ॐ ॥ वदनद्यालनृपावानादीदवी ॥ कंकमवदनी वन्द्याय
नीदवी ॥ ॐ ॥ कनखमक्षनीकंकानमन्त्रि पुनमामिदवा श्रीमहालक्ष्मी
सगम्भा ॥ ॐ ॥ ३१ ॥ मालववाग ॥ नकावर्ग ॥ नकावर्ग ॥ नकावर्ग ॥ नकावर्ग ॥
दिननुऊगदाहस्तमहावीरम्ब ॥ ॐ ॥ नमामि श्रीराममनपवमम्ब
नं ॥ वामनुऊगदाहस्तमहावीरम्ब ॥ ॐ ॥ उगतमंसावलाहस्तमं ॥ प

श्रीमल्लय २७ ॥

रुद्राक्षमन्त्र ३३

सादसिद्धिं २॥ जगत्तमनावां कासिद्धिरुलददिम ॥ कु ॥ पक्षपाशुवसहि
तदर्थमिन्द्राददी २॥ अर्थलारुपुर्नुनायसमंगला ॥ कु ॥ सज्जनवर ॥
पुसादसिद्धिं २॥ रावालावव ॥ लीमनाजनमासि ॥ कु ॥ पञ्चमालागिनि ॥
स्तिवकाइवाचार्य २॥ अमृतपुष्टदवविनवितामनाज ॥ कु ॥ ३२ ॥
मानवनागा ॥ रुद्रिकमलमाष्टनविभगिना ॥ कालाग्निमशुलपत्रिसंस्क्रिता
रुद्राग्नेनाकामदवप्रतिवशुमाना ॥ जालिरवापयित्रीकाववकुनाया ॥ कु ॥

३३

रुद्राक्षमन्त्र ३४

वशुवविंगतिशुद्धविगुविविगुं ॥ कृष्णवर्चुवशुमानननिनयना ॥ कु ॥ कृष्णमः
सिद्धिर्वचनुविश्ववज्ज ॥ वज्रमकटमनिमशुलस्वक्रिता ॥ कु ॥ वज्रकशिक
नृवकमयला ॥ वज्रनापलवाशुवर्मरुषिता ॥ कु ॥ रुद्रपिष्टनकवज्रगुन्य
साद ॥ सुखमासिदवीश्रीविश्वमातागवसा ॥ कु ॥ ३३ ॥ मानवनागा
॥ कनकवर्चुदसा ॥ नृकमखद्विजुज्ज ॥ मकटकगनि ॥ त्रिनिवावनीदवी ॥ कु ॥
नमामि २॥ श्रीकास्कोमिनीदवी २॥ जगत्तमादिनीदवी ॥ मृद्विसिद्धिपुसाद ॥ कु ॥

३४

सिंघाद्यापतनी। ललितासनस्त्रिंशत्तारुचंरुषिणा। अग्निसखसाहिना
 ध्रु ॥ दक्षिणतुज्जयं सनध्वविनीदवी २ वामतुज्जयसर्वेनत्तरा ३ नस्त्रिंशत्तारु ॥ ध्रु ॥
 तन्निमन्तुलमायः वक्रतस्त्रिंशत्तारु २ सगलमन्तुलमायः वक्रतस्त्रिंशत्तारु २ सगलमन्तुलमायः
 मायः। पुमादिहृदया ॥ ध्रु ॥ श्रीभारुणीदवीः त्रिंशत्तारु २ सगलमन्तुलमायः
 नृवन। वनपसाद २ त्वंदवीवन। मृद्विसिद्धिपसाद ॥ ध्रु ॥ ३४ ॥
 मानवनाग ॥ नृकवदनवत्तमकटजालकृताः वरुतुज्जयमपसुगनधनध्वः

१ ॥ नमामि श्रीमं श्रीपद्मनृत्तं श्रुवा ॥
 वि ॥ ध्रु ॥ दक्षिणगलपतिवामश्रीमहाकानः सगलमन्तुलमायः पद्मलित
 स्त्रिंशत्तारु ॥ मृद्विसिद्धिपसादया विश्वयापिताः अष्टमहारुचंरुषिणा ३ नस्त्रिंशत्तारु ॥ ध्रु ॥
 वक्रधनपुमादिनदासरुनधिया ॥ गुनवन। मानसिद्धिवनपसाद ॥ ध्रु ॥
 ३५ ॥ नामकनीनाग ॥ स्वर्णपुलाहासनरुषिणा ३ नस्त्रिंशत्तारु ॥ ध्रु ॥ नीलनिवालं वषावरुः
 ता ॥ कान्तपदायान्तमधिनितापिः मानान्नगानामकनीपविष्टा ४ ॥ मा ० ता ० ॥ क
 मलविकानिगस्त्रिंशत्तारु २ सगलमन्तुलमायः वक्रतस्त्रिंशत्तारु २ सगलमन्तुलमायः

दनसननृयपकासिता ॥ ३० ॥ नमामि श्री श्री महामहेश्वरी सकल गुणनाथ
 सनगुन ॥ कमलिदहन ह्यानवनपद ॥ सर्वरू ह्यान निधिसागना ॥ प्रथम कनक
 यक्षविगवज्जघ ॥ मडा जालिगना जिता ॥ द्वितीयकेशधनरुगाय ह्यान स्क
 न्ध ॥ वरुथखभसर्वरू नक्षत्रा ॥ उरुवरुजपा ॥ वरुवचधर्मवाप ॥ वरुथवामधृ
 तपसुका ॥ वरुनमकूटमिनपुछलित ॥ किर्चिषरुमधुगविवना ॥ निर्वद्विवद्वि
 हापिनिमिरुनिता ॥ सर्वरू ह्यान निधिरवपदाता ॥ उरुगवचगवचमागग ॥ प

नमायवज्जन्मनी ॥ ३१ ॥ ३३ ॥ नागकनीनाग ॥ श्रीकृष्णालगिनि
 रुवचनिवासित ॥ श्रीश्रुमिगारुमिलमोनिधना ॥ नमामि श्री ज्ञानन्दादिलाक
 भवन ॥ त्रिरुवचयापितसमगला ॥ मविमयसाहितयवतज्जटाधृग ॥ नकवचूकम
 लासन ॥ वेगनागसईरु अनरुन ह्यान पदा ॥ रुगुतिमगुतिवनसंपदा ॥ अनलम
 नाहन ॥ वागमगीमसुग विघ्निविनायकगलभवन ॥ ३१ ॥ ना
 मकनीनाग ॥ विश्वदनसनगिजसमरुवपकासिता ॥ उदितवविनुगिरुवरासिता

श्रीकृष्णाल ३१ ॥

नमो देवता ३१

विष्णुस्तोत्र ३८॥

॥ नमामि श्रीग्रीवगमलोकश्वरः सर्वसत्त्वउधानसमाकृपदाता ॥ ३७ ॥ विष्णु
पूर्वपीठिगतवक्त्रायनीदवीसरः समनसमदासुखकनयिता ॥ ३८ ॥ उरुन
पीठिगतमादश्वनादवीसरः विविधिनानिगमदासुखं ॥ ३९ ॥ अग्रपीठिगत
कामावादीसरः अद्वयसमाधिरावधिया ॥ ४० ॥ नेम्यपीठिगतवेषूदीदवीस
रः गारुडनमनसं किञ्चि ॥ ४१ ॥ दक्षिणपीठिगतवानादीदवीसरः सचिन्म
वितसरुनमन् ॥ ४२ ॥ पश्चिमपीठिगतदीन्द्यापनीः वृषाहसितविनासि

॥ ३८ ॥

मदनी ३८॥

ता ॥ ४३ ॥ वायव्यपीठिगतदीवामनुः वन्द्यमनुधावितसरुनमन् ॥ ४४ ॥
वृहीमाद्यपीठिगतमहालक्ष्मीदवीः काञ्चनिसमसुखकनयिता ॥ ४५ ॥ षादग
जिनसिन्धूलधनिग ॥ षादगयागिनीपूजियान ॥ ४६ ॥ भानिषाष्टिकाविगतजगतर्ज
नन्दः महासर्वपूजितशुवगमना ॥ ४७ ॥ ३८ ॥ नामकनीनागा ॥ मदनी ऊ
लज्जिवायमधुलः उपसस्थितगीसुमनः ॥ नानानन्तमयकालिगउक्तिगं ऊस
हिसुमनं ॥ ४८ ॥ नमामि श्रीगुणवज्रसत्त्वः अनन्यगुणनिधिसम्पन्नाः ॥ विश्व

नमस्तुभ्यम् ॥ ३९ ॥

नाथविश्वव्यापिगः गुनगिरुवनसंशुगा ॥ कु ॥ आकाशवर्धुमुखनयनाः सवि
 मानवकु यल्ल धाविः निवक सवर्धुसलाखन नल्लमकूटगिन ॥ कु ॥ नल्लकू
 धुलमूल ग्रीवेवः नथिदिदिधससिक्त वधुनद्विपदिगसवत्ताः नल्लमधुलसंपू
 र्ण ॥ कु ॥ हृदिपुमादितगवविनासवकु गुननीनंजनगिनः विद्विसिद्धिव
 नपुदागाः सपनऊनल्लनरुवपुदागा ॥ कु ॥ ३२ ॥ वल्लानीनाया वि
 नादयनीदयिग ॥ ३१ ॥ गोनीः सुकंकनावामलवालनन ॥ कर्णदधनासलवृकगु

कुं वनांगलयंकधिगावलानी ॥ मा० गाल ॥ वामखवनधनद हिनकनति पाय
 ननापुनमधुमालरुषिगा ॥ कु ॥ नावयिनककतिवकुयागिनीः त्रिसिन
 गुदवीगिरुवनपुविग ॥ कु ॥ कलसस्रदवीनीलंजनदवीः सुन्यणागुद
 वीसुन्यसंराव ॥ कु ॥ कालमृकइयिपागनबंधियाः नागद्वषमारुकनति
 नकूद ॥ कु ॥ गृष्टिसंस्तानदवीगाननीदवीः मारुमार्गदवीगुक्कपयि
 सनल ॥ कु ॥ ४९ ॥ नागजहविनागा ॥ मा० गाल ॥ विकचकमलापविदिन

कनमधुल २ सिधुववधूर्धमाद्वयायागिनी ॥ कुं ॥ श्रीदवीपागवधूर्धमाकान
 नाः गवविद्विरुल्लविरुवदायनीयागिनी ॥ दहिनवामपादकंविहवदाः कव
 धाविकनहिनकुदनिकगायागिनी ॥ वामकनस्त्रिगस्त्रिजिनमन्त्री ॥ गृवस्त्रि
 नृधिववरुयियागिनी ॥ रुनयिनपनमादवकुगागकृगः पुनमासिदवीश्रीवि
 नुमसुकयागिनी ॥ कुं ॥ ४१ ॥ निवदनागः काउदधानः सुगनगदा
 न्यः पुरुपनिवाव विनिर्मर्मान ॥ विद्याधनसर्वकवंविनासिः संकवदान्वा

शाङ्खि कसमनालिः जयंतीपूषा संकनदामनीयः नंदनवनापकी १०० सनगमनानिवरधस्त्रुतः ॥
 कथितं निवद ॥ मा० गाल ॥ वियंविभमय मनारुंगसयनाः रुवन्नु सनवनउ
 मतिया २ अविदेकसूमसंकोमगनीना ॥ अनूपमपूववनउमतिया ॥ कुं ॥
 वामकनाटकदहिनकनवजिः नगनमकूटकमिया २ वृकनकुलाहिनविः
 नाहिनवानी ॥ श्रीविद्याधनीदवीरुनयिया २ सूर्यमधुलमारः उदयीवनीति
 नीलसंहावस्त्रिगिया २ कनः ससंहावपिवयावनितिः धनहनमयनंउमति
 या २ अथिनस्त्रिगसंहावयिनदुनी ॥ अवधूवशालिनकाविया २ सहजा

विपंविभमय २२॥

कुं काव १३॥

नन्दमहासखरुवयीयाः वृद्धा किनीदवीनकावियाः॥ कनकमहासखरु
वमरुलपियाः लावन्तुलावनहायियाः॥ आदिनश्रुक्तननिरूपमजामिः
पलमामिसनवनरुनयीया॥ कुं ॥ ४२ ॥ अदविनाग॥ इडमा
नगाल॥ कुं कावसंजातललितासनस्थित कनकवर्षूनकमुखगियवावः
ना॥ कुं ॥ नमामिदवीशीवसुधवाः॥ वामसरुदघटक्षनमञ्जुविः प्रह्ला
पावमितापसुकधाविना॥ कुं ॥ दहिनवनदवल्लमञ्जुनीः सर्वजिनप

नसुअनाः ३३॥

अमनपि १४॥

नमामिधाविना॥ कुं ॥ नानावाधिविपदाविदहवसाः॥ हिनस्थवऊत
वल्लदहिममाता॥ कुं ॥ ४३ ॥ गुञ्जुनिवाग॥ अमामसुकनिः
मनयद्रुमानांः मृशुकमृषनवसंगमगा॥ सुलीषलानांदवतिविहाखंः गन्धि
कृतानांदकिञ्चनागगुञ्जुनीय॥ मा० गाल॥ अमलजिदनसनावृहविनाजिता
गिरुवमसवनावननकनूपा॥ कुं ॥ अकिनीवननिधीवऊवेवावनीः श्रीद
वीजिनकिगिरुवमाता॥ कुं ॥ नाहिमगुलमादनुवः लम्बनीः॥ जिसिवः

१४॥

॥५४॥

कुरुदिनादिचयना ॥ ॐ ॥ तिसित्तगयकनगिरुवद्यापिता ॥ अखयनीलं
जनकातिनूपा ॥ ॐ ॥ तुगुतिमगुतिववददिममाता ॥ श्रीवज्रपाणिनीया
दमवत्ता ॥ ॐ ॥ ४४ ॥ गुञ्जीनाग ॥ द्विजुञ्जकमुखवकवर्धू
नगनमकूटकभीतिनिवावनी ॥ नमादवीकृडाकिनीविश्वजननी ॥ त्रिजुव
द्यापितजिनदायनी ॥ ॐ ॥ दहिनकववज्रविनागितदधति ॥ वामकवाट
कवन्नामृगपिवति ॥ ॐ ॥ कवन्निमगुलमापुडदियागमन ॥ वरनयूव

॥५४॥

॥५४॥

वलगातयवगिनी ॥ ॐ ॥ श्रीविद्याधनीदवीमवननवमदिगा २ सकलमृदि
सिद्धिदहिम ॥ ॐ ॥ ४५ ॥ नागवमनललित ॥ मिखशिखिबद्धात्रयवद
वूउ४ ॥ पृष्ठापितवृगलगाकूलन ॥ उमन्मदानायमनंगमूर्ति ॥ मरुतामतांगसु
वसतांग ॥ ४६ ॥ मानता ॥ जयदवसनाऊउरुययुकागित ॥ श्रीगाकूम
निववध्यानवावना ॥ ॐ ॥ दहिनवज्रपाणि वामकमलयाति ॥ नमामिश्रीध
र्मेनायमहामनि ॥ ॐ ॥ दहिनकिक्किविधव ॥ वामकचिकपाण ॥ विचि

॥५४॥

वावलक्षानिरुववापिगा ॥ कु ॥ कान्धमानसनिर्मलहृदया उत्पत्ति
 नक्षत्ररूपयुदाता ॥ कु ॥ जनमरसगावतलश्रविता दुःखसमवसमाक
 पुदाता ॥ कु ॥ ४६ ॥ वसकललितनामसध्विषुतिपूना इयनिक
 माना ॥ सकलजदवगमं वन्दितयादं ॥ कु ॥ मेती आदिवृद्ध श्रीमद्भक्तमाना ॥
 त्वं अहिवन्धनिः पनमनित्यधना ॥ कु ॥ कंकमनविलाः सनविरुवृषमा
 २ ॥ सुन्यागंहिवः कान्धविहाना ॥ कु ॥ विषयविषयमाकूटः पावगमनस्यगु

२ ॥ विश्वविषापिगृष्टं वंगुनस्वयं ॥ कु ॥ सहनयनमाविविन्द आवाध ॥ गाव
 नितवगाकपुधवकलिगा ॥ कु ॥ ४७ ॥ नाटकनागा ॥ मा ० ॥ नागा ॥ वावि
 वनधवापयिवउमागा ॥ आधवयनपुतिमखलिनय ॥ कु ॥ नावयिहन्व
 नेनास्मादवीसहिता ॥ अष्टयागिनीमहाकनकनमाग ॥ कु ॥ कृष्णवर्धूषाउ
 मरुऊरुलन ॥ आधुवर्मधवोपिगलकगा ॥ कु ॥ वक्किक्कुलकविनावकु
 मषला ॥ विरुहि विनावनगनीनजीनकृगा ॥ कु ॥ गाधपनमवससहजानं



सप्तत्रयाया ॥ कु ॥ स्वर्गमध्यापातनशुक्लश्रीकापूतक २ ॥ उवउनिलंजनम
 समनिधना ॥ कु ॥ धर्मश्रीमिगुहानश्रीमिगु २ ॥ नपालमधुलमारसवास
 नूपा ॥ कु ॥ वामगुंजयसुकधनधावि ॥ देवसुमीकूखसंखधना ॥ कु ॥
 श्रीलाकेश्वरमधुलमहासम्भवाया २ ॥ नाजाधीनाजनन्युमत्तदेव ॥ कु ॥
 श्रीवडावार्यवन्द्यदरुजावार्य २ ॥ रुनयिवाकवकु निनिनावनवीना ॥ कु ॥
 ॥ ५१ ॥ नाटकनागा ॥ इर्जमानगा ॥ उदयागिनिगुलंगनिकागा २ ॥ कुलि

भक्तनाटकधाविगदवी ॥ शुक्रदवीमल्लिगविद्याधनादवी ॥ कु ॥ त्वंदवी
 शुक्लपुशुक्रपुशुक्रपुशुक्रदवीनसुकसर्वनन्दिसं ॥ कु ॥ शुक्रदवीरा
 स्वनविद्याधनीदवी ॥ मनुपातुनसुगिशुक्लसवखित ॥ कु ॥ शुक्रदवीवि
 नासिनिवृद्धशकिनीदवी ॥ उंकाववजसकूतहलिया २ ॥ शुक्रदवीनविग
 निविद्याधनीदवी ॥ कु ॥ ५२ ॥ हासनागा ॥ मा ० ताल ॥ त्रिदशक
 मलवनकसमसयना ॥ मधुकवहनूवविना २ ॥ धीविनूपाकूनखगमुखदवी

मलयनपावसलिना ॥ ध्रु ॥ नमामिनेनात्मागिनुवचमाता ॥ वरुलोदवीजी
 मृगस्तु विश्वसयवसूनासववन्दिगवच ॥ २ ॥ अनगनिद्विसिद्धिवपुदाता ॥ ध्रु ॥
 नन्दनवनमिववधुनगवच ॥ अनगकुसुमपालितकागवन ॥ २ ॥ निरुगज्ञासम
 वागमगीगीव ॥ अनगगीर्धसनिर्मला ॥ २ ॥ अष्टरुववअष्टयागिनीदवी ॥ अन
 गदवासुनकृपाय ॥ अष्टमहाहयइवितनिवाननी ॥ अनगविघ्ननिवान ॥
 नी ॥ विश्ववापितगावनीदवी ॥ अष्टयनिवअनकृतिनूपा ॥ २ ॥ अहिमगस

खरुलदायनीदवी ॥ अनमरुसुगवचागता ॥ ध्रु ॥ ५३ ॥ रामना
 ॥ मा ० ॥ ल ॥ ससुदनमारुकातिनूयवद्धं ॥ पञ्चलधनानाकसुम ॥ अन
 पृथत्यकुचुकालथनपृथकुचुनूपाविजाता ॥ ध्रु ॥ नमामिगीधर्मध
 तुगिनुवचनाथ ॥ १ ॥ गपकुगिनीगीपुधकृ ॥ २ ॥ सर्वदवासुनवन्दिगवच ॥ २ ॥
 अनगवांचिकसिद्धिपुगाद ॥ ध्रु ॥ ॥ अष्टधर्मवाधिपुक्रानमावचंयक ॥ अ
 नगवृकसंरुसाहिता ॥ २ ॥ अष्टधातुअष्टरुववयागिनी ॥ अनगरुगादिनक

कृपान॥ कु ॥ पूर्वदक्षिणपश्चिमउरुनदिगनीनपीतनकादुनिगवर्षा २५ पं
 जिनपक्षः स्नानस्वरूपाः वरुदवावरुनमन्त्रि॥ कु ॥ पक्षेपविगीतामा
 निपविश्ववि॥ अनगमृद्विसिद्धिवनसाद्वारुनपिगीनिद्विवजवविगीत
 ॥ राजन्मजन्मरुद्रमाकृपगादा॥ कु ॥ ५४ ॥ रामनागा॥ मा० ताले
 ॥ कलिगपयाहवजिनधनुविजनिनूपः धर्मधनुनूपं २५ पक्षः स्नानजिनधनुत्त
 ॥ सर्ववृद्धानमनूपं॥ कु ॥ नमामिगीतामनिघटवजधनुव्यापितारः

५३

अनगदवास्वमविता॥ कु ॥ उगतव्यापितुवः सवनूपः रुलयायकेतः
 थागत २ वरुन २ पविमन्त्रिगमला॥ विदिगतावादवीमन्त्रिगा॥ कु ॥ वादग
 वाधिसत्त्वावः अनसदुमास्वस्वगथागतनयधवा २ पुनमामिवजसत्तः किनु
 वसनमितं मन्त्रीर्षोपविमस्त्रिगा॥ कु ॥ गीयागम्वनपक्षजकिनीद
 वीः पक्षरुन्वनिशालिंगना २ नमामिस्नानम्वनिः किनुवसजननीः अनगः
 निद्विसिद्धिवनपसादा॥ कु ॥ ५५ ॥ पञ्चजनीनागा॥ मा० ताले॥

दृगर्जनीः मानववमर्दनी पापहननी ॥ कु ॥ विविधविषयधुनः विघ्नघन
 कुंदनं ॥ रुद्रादिदिगपात्रगागकवचं ॥ दहिनकवतिधवपुत्रधुनि सिनायनः
 सनचंद्रयिवमनासगतिगमनं ॥ कु ॥ वामखट्वांगधनवृक्षकपालाः रुव
 समुद्रसाधनमनुपातु ॥ धावकन्दविवचजट्टासनचंद्रविन्दवकडुद्याक
 नाववदनं ॥ व्याधुवर्मनिवसनननमधुमाला ॥ अनिवलिखादनसिद्धिरु
 लदं ॥ कु ॥ गवन्तिसूत्रगवजगुनगत्तध्वानः ॥ दृष्ट होवनासनसंसाव

तवली ॥ वृद्धधर्मसासनसंघपवित्रकुक ॥ श्रीमहाकालगवपादगवचं ॥ कु ॥
 ॥ ५१ ॥ ललितनाग ॥ मा ० गाली ॥ अत्रपकेन श्रीमहकूमावाशगमधनकि
 चलसंकासनददा ॥ दवश्रीमहूपाधंरुवचवापिगा ॥ तिकूखप्रवलदहिन
 कवधाविगा ॥ कु ॥ वामपुस्तकधनसूत्रगुत्रवाया ॥ पद्मपुष्पासनकागन
 यना ॥ कु ॥ दहिनवामकवधनगवधावित ॥ चरुनमानदर्यावामपुस्तवि
 कु ॥ ऊगहनपालनाथ ॥ पुमादितद्रुदया ॥ अहिमथसुखरुलवलपुगाद

पृष्ठ ५८

॥ ॐ ॥ ५८ ॥ ललितनाग ॥ षट्पञ्चकमख वज्र घञ्छधावि ॥ धन्यमं
जनिपुस्तकवामं ॥ त्रिविधविभवत्तम ॥ ॐ विश्वजिनवन्दित उददि-
नरुक्ता ॥ ॐ ॥ नमामि श्रीवसुधावादेवी ॥ नत्त आरुवचवित्तु पिता ॥ क
नकवर्धुवत्तमकटमासि ॥ ललितनागनदाविदुहवत्त ॥ ॐ ॥ उद्वेगथाग
तददिनलोकेश्वर ॥ वज्रपासिद्धवादेवी ॥ ॐ मञ्जुलन्दनीलवर्धु वामवत्त
शुक्रवर्धु ॥ ॐ ॥ श्रीविक्रुलिकलिमाविमाकद ॥ ॐ लन्द ॥ शुक्रधाविता

॥ ॐ ॥ ५८ ॥ ललितनाग ॥

विषयान्त ५८

वाक्कलकृष्णजपगाकादिहता ॥ वज्रवदवीसंज्ञका ॥ ॐ ॥ पूर्वमानिरुद
दक्षिणपूर्वरुद ॥ पश्चिमधनादव ॥ श्वतवर्धु ॥ गुफासुनीकासवस्वतीदवी ॥ व
रुकाकादवीमाकपदाता ॥ ॐ ॥ ५९ ॥ ललितनाग ॥ विषयविन्-
पुवनसजाग्य ॥ कलपिवन्दाविलिताहिकमल ॥ दहयिजिनविन्दुमंमि
विनयिशुनतजिन ॥ त्रिसिद्धालसमयग्यमयन ॥ ॐ ॥ नमम ॥ ॐ वा
षंकालवक्तु ॥ दवजसम्भवनविश्वरूप ॥ पयिपडमसजाग्यसरुडा निसकन ॥

॥ ५९ ॥

सरुज्जानन्दमयस्त्राननूपं २ वज्रपञ्चकसककंकमनन ॥ नामसंगीतिज
 काखध्वान २ ॥ जगद्दृष्टवनासनवाधिरुलदायकं २ ॥ जगद्गम्यमानावनि
 लं ॥ ५ ॥ गुनवाक्कदरविषा ॥ अद्वयवर्णकविय ॥ मनिमकटवददगादः
 रधविषा २ ॥ चन्द्रवक्त्रपातुगवीनपत्रमध्वनसूयुवह ॥ चन्द्रवदनरुवच ॥ ५ ॥
 स्ववनमायासन्धिसम्भावपविरावना २ ॥ वद्वधर्मसंघसवल्पावातिय ॥ ५ ॥
 गुनवच ॥ अगिनवधविषा ॥ गावकि सुवक्तवजमानवृद्धमवच ॥ ५ ॥ ६० ॥

अतिशोषम् ६०

पटकंकालना ॥ मा ० ॥ अतिशीघ्रता ॥ अतिशीघ्रता ॥ अतिशीघ्रता ॥ अतिशीघ्रता ॥
 नचाविधा ॥ ५ ॥ गुन्यामिरावत्ता ॥ नचा २ ॥ वज्रद्वयध्वनिगननभिलमा
 ला ॥ ५ ॥ नमामि श्रीगुलाकविजया २ ॥ विश्वनाथविश्वव्यापिगा २ ॥ वद्वध
 र्मसंघपादितपुतिह्ला ॥ पादगवत्किता ॥ उमामहेश्वर ॥ विश्वनाथविश्वव्यापिगा
 ५ ॥ नक्तुनयकारस्वरावापविविक्तदगकारनिसाना २ ॥ खभपसुकधव २
 मानसंज्ञना ॥ वावविक्रमपुक्कलितकिवन्ता ॥ ५ ॥ पनभुपामधव २ लावच

विश्वनाथमज्जसीना २ ५६

अतिशय ६१

दहा २ सर्वकार विदयादवर्णा २ दानवनागमानवदहा २ विवधगधुसयनस
वता ॥ कु ॥ कायवाकविरुधानधवता २ कि विषदहा निमेलगनीना २ रुव
रुयहनभा ॥ गीतगावकि सहुववत्त नितंगतधविया ॥ कु ॥ ५१ ॥
कङ्कालनाग ॥ उर्जमानताल ॥ अतिघालवदन अमितांगमवति २ वधलमधु
मालरुषिकदहा ॥ कु ॥ तनाता २ नमामि २ श्रीखजमहाकाल २ दहिन क
वतिधव २ वामविधूला २ हाउआरुनरुषिकदहा ॥ कु ॥ सकलमान

१२ काल २

नीलमयनरु ६२

वधनपंनिहंता २ सुवनववन्दिरुवरुयहनभा ॥ कु ॥ अद्वि सिद्धिवनदा
यकदवा २ त्रिभुवनवीनाधीमहाकालजवभा ॥ कु ॥ ५२ ॥ **नागकना**
दि ॥ नीलमयनरुसाहिरजगध २ त्रिमखतिनायनसमचसंराव ॥ कु ॥ तांवे
नाश्रीयागम्बववीना २ यागिहानधवीजालिगनवापि ॥ कु ॥ ज किभीमधु
लवक्ररुलिया २ मधुलकलिनउदियान ॥ कु ॥ वडिघानावता नीवधुनी २
सिधुलीयापि लीऊचूकउन्किनी ॥ कु ॥ ज किभीघापिनाउसिकवा

१२ काल २

गुरुनन्दन

पुमादिना ६३

ऊनी २ ऊनम २ मानू तुरुपायभवत् ॥ कु ॥ ५३ ॥ मधुमत्तनागा ॥ मा
ताल ॥ पुमादिना आदिद भहमीसन्द विसवमवमं भुलसंस्क्रितवयना ॥ कु ॥
दादगनुऊवउवदनससागा २ वऊवावाही आलिंगना ॥ कु ॥ हूं हूं हूं २ हूं हूं
हूं २ भदिगनुवसमानसगवसम्बनवाधियान ॥ कु ॥ कुलिगद्यन्तगऊवममि
गूल २ कनक्तिउमनससाहिता ॥ कु ॥ मयपूनिगभक्तकपालखट्वांग ॥ पानप
नभुवक्रगिलधवा ॥ कु ॥ यकजिनवनमकेटआलंकृत् २ मटमूडाआरव

संयनया ४६

पुषवलापि ५४

रुषिगा ॥ कु ॥ आलिकालिउयी आलिटवापयि २ वापवर्मनिवसनकृष्ण
नू ॥ कु ॥ ननजिनमालं वशी सम्बन २ दिद्यवक्रुजिचिकनभद्रदया ॥ कु ॥
ऊनम २ मानू तुरुपायिसव २ गावक्रिपवमायवऊगीता ॥ कु ॥ ५४ ॥
मधुमत्तनागा ॥ उडेमानताल ॥ अखत्वाविंगतपमदवमार ॥ हूं वीऊकृष्ण
अमार्द्धदहा २ नीलरुचिकव कृपागवर्कृता ॥ सफदभास्यनुकपक्षगनगा ॥ कु ॥
नमामिआलियायीमीमहासम्बना ॥ वऊवानाही मुन्यताकनसाखन २ लीषय

मा हांसीना ५०

५ अक्षरमग्या १५॥

गङ्गा ६८॥

असंकाभा ॥ ५० ॥ माविषाविप्रमाविषादर्यमाविषाइ४खविदान॥ ५१ ॥ माविषा
मायामानसंगासाः मन्त्रममइ४खनासिताः पनमुपागजं कंगवज्जदसा ॥ हं गि
पावदहिनकना ॥ मंगवधनखद्वांगणागकपावदरुलककुवाम ॥ ५२ ॥ विवि
कुवकुवकुवाडिनरुभाजयइ४मसिमामुगा ॥ नंवाकभूवम्यादनसासापाप
नरिमिशवाजन ॥ ५३ ॥ नत्तागवधुगनत्तागवितामुखकमुखगगिसुन्दनार
दामादत्ताडुमसुखदागा ॥ नमासु२गलभवा ॥ ५४ ॥ धनायी

नागा ॥ पुण्याल्लिपदसर्वाकान्ता ॥ खर्वनम्चादनकृष्णपाश ॥ उकवदननियतिनिवा
 वना ॥ वरुणुआदिपिकर्मकलिनिमिनि ॥ ५८ ॥ दवीउकजतिउगतजननी ॥
 रावासावतूपिनी ॥ सर्वजगज्जदरावन ॥ कलेलि ॥ अदिपुत्तुनमाकृपुदायनी
 ॥ ५९ ॥ खभकवहिकपावनीलात्पवामदहिनहुउधवि ॥ अष्टनागरवत
 हविग ॥ ग्रीववृद्धननिलमाला ॥ ६० ॥ वकीज ॥ नाय ॥ मिता ॥ रुक ॥ पुलक ॥ धी
 वत्तसंरवा ॥ ६१ ॥ उजवेवावनकलियजमायसिद्धि ॥ प ॥ कम ॥ डा ॥ वि ॥ ह ॥ वि ॥ ता ॥ ६२ ॥

सहुनपमादगावनिरुपाकनमायायमस्वप्नपुमाद ॥ ग्रीउगुगावनिभीलगत
 धनिया ॥ नकविमासाध्याविगा ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ धनाग्रीनागा ॥ षट्पञ्चउक
 मखतिघटधविधानमऊनियस्तहला ॥ निविद ॥ गावत्तवर्षसर्वडिनव
 दिने ॥ दहिनहला ॥ ६७ ॥ नमामिग्रीवसध्यानादवी ॥ नलाउनविरुषिगा ॥ क
 नकवधूनेत्रमकृष्णमलि ॥ ललितासनदाविडहव ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ उद्धतथागत ॥ द
 हिनलोकधन ॥ वऊपासिष्ठा ॥ नादवी ॥ उम्वल ॥ जलन्य ॥ नीलवधू ॥ वामववसगु
 श्रवधू ॥ ७० ॥ वीविकुपुलिनिमाविनियवन्दुसूर्यधवि ॥ श्वामकृगुधजप